



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 358]

No. 358]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अगस्त 1, 2002/श्रावण 10, 1924

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 1, 2002/SRAVANA 10, 1924

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 8/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 536(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 2002 (2002 का 20) की धारा 149 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, 16 अगस्त, 2002 को ऐसी तारीख के रूप में नियुक्त करती है जिसको वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की उक्त धारा 149 में यथाउपबंधित रूप से संशोधन किया जाएगा और सेवा कर, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 66 की उपधारा (6) के आधीन उद्ग्रहणीय होगा।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 8/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 536(E).—In exercise of the powers conferred by Section 149 of the Finance Act, 2002 (20 of 2002), the Central Government hereby appoints the 16th day of August, 2002, as the date on which the Finance Act, 1994 (32 of 1994) shall be amended as provided in the said Section 149 and the service tax shall be levied under Sub-section (6) of Section 66 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994)

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 9/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 537(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, किसी बीमाकर्ता द्वारा जीवन बीमा कारोबार के संबंध में प्रदान की गई करादेय सेवाओं पर उक्त अधिनियम की धारा 66 के अधीन उद्ग्रहणीय पूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अगस्त, 2002 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 9/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 537(E).—In exercise of the powers conferred by Section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided, by an insurer carrying on life insurance business, to a policy holder in relation to life insurance business from the whole of the service tax leviable thereon under Section 66 of the said Act.

2 This notification shall come into force on the 16th day of August, 2002

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 10/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 538(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, माल संभलाई अभिकरण द्वारा, किसी कृषि उपज या ऐसे सामान जो शीत भंडारण में रखे जाने के लिए हो, से संबंधित दी गई करादेय सेवाओं को, उक्त अधिनियम की धारा 66 के अधीन उद्ग्रहणीय पूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अगस्त, 2002 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 10/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 538(E).—In exercise of the powers conferred by Section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided to any person by a cargo handling agency in relation to, Agricultural produce or goods intended to be stored in a cold storage, from the whole of the service tax leviable thereon under Section 66 of the said Act.

2. This notification shall come into force on the 16th day of August, 2002.

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 11/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 539(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सौंदर्य पार्लर द्वारा बालों की रंगाई से संबंधित दी गई करादेय सेवाओं को, उक्त अधिनियम की धारा 66 के अधीन उद्ग्रहणीय पूर्ण सेवा कर से छूट देती है।

2. यह अधिसूचना 16 अगस्त, 2002 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 11/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 539(E).—In exercise of the powers conferred by Section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the taxable service provided to a customer by a beauty parlour in relation to hair dyeing, from the whole of the service tax leviable thereon under Section 66 of the said Act.

2. This notification shall come into force on the 16th day of August, 2002.

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 12/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 540(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेवा-कर नियम, 1994 का, सिवाय उन बातों के जिन्हें ऐसे संशोधन से पूर्व किया गया है या करने का लोप किया गया है, और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा-कर (संशोधन) नियम, 2002 है।

(2) ये 16 अगस्त, 2002 से प्रवृत्त होंगे।

2. सेवा-कर नियम, 1994 (जिन्हें इसके पश्चात् नियम कहा गया है) के नियम 2 में, उपनियम (1) में, खंड (घ) में—

(i) उपखंड (iii) में “साधारण बीमा कारोबार” शब्दों के बाद “, या जीवन बीमा कारोबार, जैसी स्थिति हो”, शब्दों को अंतः स्थापित किया जायेगा

(ii) उपखंड (iii) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्—

“(iv) ऐसी करादेय सेवाएं जो एक ऐसे व्यक्ति द्वारा प्रदत्त हैं जो अनिवासी है या भारत के बाहर का है और भारत में उसका कोई कार्यालय न हो, ऐसा व्यक्ति जिसको करादेय सेवाएं भारत में प्रदान की जा रही हों।”

3. नियम 4 में, उपनियम (1) में तीसरे परंतुक का लोप किया जाये

4. नियम 6 में-

(i) उपनियम (1) में द्वितीय परंतुक का लोप किया जाये

(ii) उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“(2अ) इस नियम के संदर्भ में, यदि निर्धारिती चैक के द्वारा सेवाकर का भुगतान करता है तो चैक के संभरित होने की स्थिति में चैक के प्रस्तुत किये जाने की तारीख को ऐसी तारीख माना जायेगा जिस दिन सेवाकर जमा किया गया है।”;

5. प्ररूप से क0 3 के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्:-

“ प्ररूप से0का10-3

(नियम 7 देखें)

.....से.....तक की अवधि के लिए भारत सरकार को जमा किए गए सेवाकर का विवरण

1. निर्धारिती का नाम.....
2. क्या वह व्यक्ति है अथवा साम्प्रतिक फर्म है अथवा भागीदारी फर्म है अथवा कोई अन्य है (कृपया विनिर्दिष्ट करें)
3. सेवाओं का प्रवर्ग
4. सेवाकर रजिस्ट्रीकरण सं0.....

करादेय सेवा का नाम	मास	प्रभारित या बिल के अनुसार करादेय सेवा का मूल्य (रकम का मास वार विवरण उपदर्शित करें)	वसूल की कराधेय सेवा का मूल्य (रकम का मास वार विवरण उपदर्शित करें)	संदेय सेवाकर की रकम	सेवाकर नियम 1994 के नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार समायोजित सेवाकर की रकम	ब्याज की रकम यदि कोई संदेय है
1	2	3	4	5	6	7

सरकार के खाते में जमा की गई रकम का विवरण	भुगतान का माध्यम			
	नकद (8a)		सेवा कर प्रत्यय (8b)	कुल देय राशि (8a + 8b)
	राशि	चालान सं0 और तारीख/जर्नल पर्ची सं0 और तारीख	राशि	
संदत्त सेवाकर				
संदत्त ब्याज			XXXXXXXXXX	
संदत्त कोई अन्य रकम **			XXXXXXXXXX	

* कृपया बताएं और दस्तावेजी साक्ष्य संलग्न करें।

** कृपया बताएं की रकम किस मद्दे संदत्त की गई है।

“स्वर्य—निर्धारण ज्ञापन

1. मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उपरोक्त विशिष्टियों हमारे द्वारा रखे गये अभिलेखों और बहियों के अनुसार हैं और इसी कथित हैं ।
2. मैंने/हमने कर का निर्धारण एवं संदत्त अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाये नियमों के अनुसार ठीक किया है ।
3. मैंने/हमने कर को इन नियमों में निर्धारित देय तिथि के भीतर संदत्त किया है और देरी की स्थिति में अधिनियम के खंड 75 के अनुसार ब्याज जमा कर दिया है । (ब्याज गणना का कार्य प्रष्ट संलग्न है)

स्थान :

निर्धारित या उसके प्रधिकृत

तारीख:

प्रतिनिधि के हस्ताक्षर

पावती

प्राप्ति तारीख.....

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक
के हस्ताक्षर और मुद्रा

स्थान:

तारीख:.....

- टिप्पण: 1. प्रत्येक स्तंभ में निर्धारिती द्वारा प्रदत्त प्रत्येक करादेय सेवा का विवरण अलग भरे ।
2. सेवा कर प्रत्यय का उपयोग केवल बाह्य सेवा पर संदत्त सेवा कर के संदाय के लिए होगा तथा इसे ब्याज अथवा जुर्माना भुगतान के लिए उपयोग नहीं किया जा सकेगा ।
3. ऐसे दस्तावेज दो जो सेवा कर प्रत्यय नियम 2002 के नियम - के अंतर्गत बनाया गया हो, का संक्षेप संलग्न करें ”।

[फा. सं. बी 11/1/2002—टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पण :— सेवा कर नियम, 1994, अधिसूचना सं. 2/84—सेवा कर, तारीख 28 जून, 1994 द्वारा अधिसूचित किए गए थे और भारत के राजपत्र, असाधारण में सा.कानि. 546 (अ), तारीख 28 जून, 1994 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और उनका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 11/2001—सेवा कर, तारीख 13 नवम्बर, 2001 द्वारा किया गया और भारत के राजपत्र असाधारण, में सा.कानि. 846 (अ) तारीख 13 नवम्बर, 2001 द्वारा प्रकाशित किया गया ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 12/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 540(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Service Tax Rules, 1994, except as respects things done or omitted to be done before such amendment, namely :-

1. (1) These rules may be called the Service Tax Amendment Rules, 2002.
(2) They shall come into force on the 16th day of August, 2002.
2. In the Service Tax Rules, 1994, (hereinafter referred to as the said rules) in rule 2, in sub-rule (1), in clause (d),-
 - (a) in sub-clause (iii), after the words "general insurance business", the words "or the life insurance business, as the case may be," shall be inserted;
 - (b) after sub-clause (iii), the following clause shall be inserted, namely;-

" (iv) in relation to any taxable service provided by a person who is a non-resident or is from outside India, does not have any office in India , the person receiving taxable service in India.";
3. In rule 4 of the said rules, in sub-rule (1), the third proviso shall be omitted;
4. In rule 6 of the said rules,-
 - (i) in sub-rule (1), the second proviso shall be omitted;
 - (ii) after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely;-

" (2A) For the purpose this rule, if the assessee deposits the service tax by cheque, the date of presentation of cheque to the bank designated by the Central Board of Excise and Customs for this purpose shall be deemed to be the date on which service tax has been paid subject to realization of that cheque."
5. In the said rules for Form ST-3, the following Form shall be substituted, namely;-

"FORM ST- 3**(see rule 7 of the Service Tax Rules 1994)**

Return of service tax credited to the Government of India for
the periodto

..... Commissionerate

1. Name of the assessee
2. Whether an individual or proprietary firm or partnership firm or any

- other (please specify).....
3. Category of services
4. Service tax registration No.

Name of the taxable service provided	Month(s)	Value of taxable service charged or billed (indicate break-up of the amount month-wise)	Value of taxable service realised (indicate break-up of the amount month-wise)	Amount of service tax payable	Amount of service tax adjusted in terms of sub-rule (3) of rule 6 of the Service Tax Rules, 1994 *	Amount of interest, if any payable
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.

Details of payment made to the Government credit	Mode of payment			
	Cash (8a)		Service tax credit (8b)	Total amount paid (8a +8b)
	Amount	Challan No. and date / Journal Slip No. and date	Amount	
Service tax paid				
Interest paid			XXXXXXXXXX	
Any other amount Paid **			XXXXXXXXXX	

* Please specify and enclose documentary evidence

** Please specify on what account the amount has been paid

SELF-ASSESSMENT MEMORANDUM

1. I/We declare that the above particulars are in accordance with the records and books maintained by us and are correctly stated.
2. I/We have assessed and paid the service tax correctly in terms of the provisions of the Act and rules made thereunder.
3. I/We have paid duty within the time specified in these rules and in case of delay, I/we have deposited the interest leviable as per the section 75 of the Act. (Worksheet of interest calculation is attached).

Place:
Date:

Name and signature of the assessee or
his authorised representative

ACKNOWLEDGEMENT

Date of Receipt.....

Signature and Official
Seal of the Superintendent of Central Excise

Place:

Date:

Note:

- (1.) Details in each of the column should be furnished separately for each of the taxable service rendered by the assessee.
- (2.) Service tax credit shall be utilized only for payment of service tax on output service and not for interest or penalty.
- (3.) In case service tax credit on input service is availed, enclose the proforma in terms of rule 5 (4) of the Service Tax Credit Rules 2002. "

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

Note :- The Principal rules were notified vide notification no. 2/94- Service Tax dated the 28th June 1994 and published in the Gazette of India Extraordinary vide G.S.R.546 (E) dated 28th June 1994 and were last amended vide notification no. 11/2001-Service Tax, dated the 13th November, 2001 and published in the Gazette of India Extraordinary vide G.S.R. 846(E) dated the November, 2001.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 13/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 541(अ)—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, यह निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 6 / 99- सेवा कर तारीख 9 अप्रैल 1999 का उन बातों के सिवाय निम्नलिखित संशोधन किया जायेगा जो ऐसे संशोधन से पूर्व की गई थी या जिनका किए जाने से लोप किया गया था, अर्थात:-

उक्त अधिसूचना में, “उक्त अधिनियम की धारा 66 की उपधारा (72) में,” शब्दों, अंकों और कोष्ठक स्थान पर “उक्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (90)” शब्दों, अंकों और कोष्ठकों को अंतःस्थापित किये जायेंगे।

2 यह अधिसूचना 16 अगस्त, 2002 से प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पण :- अधिसूचना सं 6/99- सेवा कर तारीख 9 अप्रैल 1999 [सा का नि 251 (अ) तारीख 9 अप्रैल 1999] द्वारा प्रकाशित की गई थी। और उनका अंतिम बार संशोधन अधिसूचना सं. 9/2001-सेवा कर, तारीख 9 जुलाई, 2001 द्वारा किया गया और भारत के राजपत्र असाधारण, में सा.का.नि. 533 (अ) तारीख 9 जुलाई, 2001 द्वारा प्रकाशित किया गया।

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 13/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 541(E).— In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 6/99-Service Tax, dated the 9th April, 1999, except as respects things done or omitted to be done before such amendment, namely:-

In the said notification, for the words, brackets and figures “taxable service specified in sub-section (72) of section 65”, the words, brackets and figures “taxable service specified in clause (90) of section 65” shall be substituted.

2. This notification shall come into force on the 16th day of August, 2002.

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G. D. LOHANI, Under Secy.

Note:—

The principal notification No. 6/99- Service Tax, dated the 9th April, 1999 was published in the Gazette of India, vide G.S.R. 251 (E), dated the 9th April, 1999 and was last amended by notification 9/2001- Service Tax, dated the 9th July, 2001 [published in the Gazette of India, vide G.S.R. 533 (E), dated the 9th July, 2001]

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 14/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 542(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32) की धारा 94 की उपधारा (2) के खंड (डड.) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सेवा-कर प्रत्यय नियम, 2002 है।
(2) ये 16 अगस्त, 2002 से प्रवृत्त होंगे।
2. परिभाषाएं.— इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो -
(क) “अधिनियम” से वित्त अधिनियम 1994 (1994 का 32) अभिप्रेत है ;
(ख) “ उत्पादित सेवा ” से ऐसी करादेय सेवा जो किसी ग्राहक, कक्षीकर, अभिदाता, पॉलिसी धारा या किसी अन्य व्यक्ति को उपलब्ध कराई गई हो, अभिप्रेत है;
(ग) “ निदेश सेवा ” से ऐसी करादेय सेवा जो किसी सेवा प्रदाता के उत्पादित सेवा उपलब्ध कराने के संबंध में प्राप्त और उपयोग की गई हो, अभिप्रेत है;
3. सेवा कर प्रत्यय.— (1) उत्पादित सेवा प्रदाता को ऐसी निवेश सेवा पर संदाय किये गये सेवा कर, जिसे 16 अगस्त, 2002 को या उसके पश्चात संदत्त किया गया है, (जिसे इसमें इसके पश्चात सेवा कर प्रत्यय कहा गया है) लेने के लिए अनुज्ञात किया जायेगा, जो उत्पादित सेवा के संवर्ग हैं।
(2) इन नियमों के संबंध में, दो सेवाएं संवर्ग मानी जायेगी यदि निवेश सेवा और उत्पादित सेवा, अधिनियम की धारा 65 के खंड (90) के एक ही उपखंड में आती है।
परंतु करादेय सेवाएं जो अधिनियम की धारा 65 के खंड (90) के उपखंड (यड) और (यत) में आती हैं, को संवर्ग माना जायेगा।

248061/02-2

दृष्टांत: (i) फोटोग्राफी स्टूडियो, फोटोग्राफी सेवा प्रदान करने के दौरान फोटोग्राफी प्रक्रियाशाला की सेवाएं फोटोग्राफी फिल्म को विकसित करने तथा फोटो छापने के लिए लेता है। इस स्थिति में फोटोग्राफी प्रक्रियाशाला द्वारा फोटोग्राफी स्टूडियो को प्रदत्त सेवा तथा फोटोग्राफी स्टूडियो द्वारा ग्राहक को प्रदत्त सेवा संवर्ग कराधेय सेवाएं हैं, अर्थात् फोटोग्राफी सेवाएं, अतः फोटोग्राफी स्टूडियो प्रक्रियाशाला द्वारा संदत्त सेवा कर का प्रत्यय ले सकेगा।

(ii) एक स्टिविडोर पत्तन से गोदी मजदूर भाड़े पर लेता है और उनको अपने किसी कक्षीकर को प्रदत्त सेवा के लिए उपयोग करता है, इस स्थिति में पत्तन द्वारा स्टिविडोर को तथा स्टिविडोर द्वारा अपने कक्षीकर को दी गई सेवाएं संवर्ग कराधेय सेवाएं हैं अतः स्टिविडोर पत्तन द्वारा संदत्त सेवा कर का प्रत्यय ले सकेगा।

(iii) एक विज्ञापन अभिकरण विज्ञापनों के संबंध में सेवा प्रदान करने के दौरान फोटोग्राफी स्टूडियो या/और एक ध्वन्यंकन स्टूडियो या अभिकरण या विडियो निर्माण अभिकरण की सेवाएं लेता है इस स्थिति में फोटोग्राफी स्टूडियो या ध्वन्यंकन स्टूडियो या अभिकरण या विडियो निर्माण अभिकरण द्वारा दी गई सेवाएं विज्ञापन अभिकरण द्वारा प्रदत्त सेवा के संवर्ग कराधेय सेवाएं नहीं हैं अतः विज्ञापन अभिकरण फोटोग्राफी स्टूडियो या ध्वन्यंकन स्टूडियो या अभिकरण या विडियो निर्माण अभिकरण द्वारा संदत्त सेवा कर का प्रत्यय नहीं ले सकेगा।

(3) उन निवेश सेवाओं पर सेवा कर प्रत्यय नहीं लिया जा सकेगा जो ऐसी उत्पाद सेवा के संबंध में प्राप्त एवं उपयोग की गई हों जो उन पर लगने वाले सेवा कर से पूर्ण रूप से मुक्त हैं।

4. सेवा कर प्रत्यय का उपयोग.- (1) निवेश सेवा पर लिए गए सेवा कर प्रत्यय का उपयोग उत्पादित सेवा पर संदत्त सेवा कर के संदाय के लिए किया जायेगा।

(2) निवेश सेवा पर लिये गये सेवा कर प्रत्यय का किसी भी स्थिति में प्रतिदाय अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

5. दस्तावेज और लेखा.- (1) सेवा कर प्रत्यय, निवेश सेवा प्रदाता द्वारा 16 अगस्त, 2002 को या उसके पश्चात् जारी किए गए बिल, बीजक या चालान जिसमें उक्त दस्तावेज की क्रम सं०, जारी करने की तारीख, निवेश सेवा का विवरण तथा राशि, सेवा कर संदत्त/संदाय, सेवा कर रजिस्ट्रेशन सं० तथा निवेश सेवा प्रदाता का पता स्पष्ट किया गया हो, के आधार पर लिया जायेगा।

(2) निवेश सेवा का प्रत्यय लेने वाला उत्पादित सेवा प्रदाता यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसी निवेश सेवा जिसकी बाबत उसने सेवा कर प्रत्यय लिया है, ऐसी सेवा है जिस पर दस्तावेजों में यथा उपदर्शित समुचित सेवा कर का संदाय कर दिया गया है, सभी युक्तियुक्त उपाय करेगा।

स्पष्टीकरण:- ऐसे उत्पादित सेवा प्रदाता जो प्राप्त की गई निवेश सेवा पर दिए गए सेवा कर का प्रत्यय ले रहा है, तभी यह समझा जाएगा कि उसने युक्ति युक्त उपाय किए हैं, यदि निवेश सेवा के संबंध में जारी किए गए दस्तावेज को जारी करने वाले, निवेश सेवा प्रदाता और पते की बाबत आश्वस्त हो जाता है और यह सुनिश्चित करें कि निवेश सेवा का विवरण तथा राशि दस्तावेजों में सही दिखाई गई है।

(3) उत्पादित सेवा प्रदाता जो सेवा कर प्रत्यय का उपभोग कर रहा है उपभोग और तालिका के लिए ऐसे उचित अभिलेख रखेगा जिसमें दस्तावेज जिसके आधार पर सेवा कर प्रत्यय लिया गया है कि क्रम सं० और तारीख, निवेश सेवा प्रदान करने वाले व्यक्ति का पता तथा रजिस्ट्रेशन सं० निवेश सेवा का विवरण तथा राशि, निवेश सेवा में संदत्त सेवा कर, और सेवा कर प्रत्यय के उत्पादित सेवा पर संदत्त सेवा कर के भुगतान के लिए उपयोग का विवरण होगा और सेवा कर प्रत्यय की स्वीकार्यता संबंधी सबूत का भार ऐसा प्रत्यय लेने वाले कराधेय सेवा प्रदाता पर होगा।

(4) उत्पादित सेवा प्रदाता, प्ररूप से०क० 3 के साथ उक्त उपनियम (3) से संलग्न प्ररूप में एक विवरणी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक को प्रस्तुत करेगा।

6. गलत ढंग से लिए गए प्रत्यय की वसूली.— जब सेवा कर प्रत्यय गलत ढंग से लिया या उपयोग किया गया हो तो वह ब्याज सहित विनिर्माता से वसूल किया जाएगा और अधिनियम की धारा 73, 75, 76 और 78 के उपबंध ऐसी वसूली करने के लिए यथा आवश्यक परिवर्तन सहित लागू होंगे।

प्रारूप

(नियम 5 का उपनियम (4) देखें)

सेवा कर प्रत्यय नियम 2002 के नियम 5 के अंतर्गत भरी जाने वाली विवरणी
(अवधि.....सेतक)

निवेश सेवा

क्रम सं०	दस्तावेज जारी करने की तारीख एवं संख्या	निवेश सेवा प्रदाता सेवा कर पता पंजीकरण सं०	निवेश सेवा विवरण	मूल्य	लिया गया प्रत्यय
----------	--	--	------------------	-------	------------------

सेवा कर प्रत्यय

आरंभिक अतिशेष	अवधि में लिया गया प्रत्यय	अवधि में उपयोग किया गया प्रत्यय	अंतिम अतिशेष
---------------	---------------------------	---------------------------------	--------------

स्थान :

निर्धारित या उसके अधिकृत

तारीख:

प्रतिनिधि के हस्ताक्षर"।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 14/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 542(E).— In exercise of the powers conferred by clause (ee) of sub-section (2) of section 94 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), the Central Government hereby makes the following rules, namely :-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Service Tax Credit Rules, 2002.

(2) They shall come into force on the 16th day of August, 2002.

2. Definitions.- (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- "Act" means the Finance Act, 1994 (32 of 1994)
- "output service" means any taxable service rendered by the service provider to a customer, client, subscriber, policy holder or any other person, as the case may be;
- "input service" means any taxable service received and consumed by a service provider in relation to rendering of output service;

3. Service tax credit.- (1) An output service provider shall be allowed to take credit (herein referred to as service tax credit) of the service tax paid on such input services, which fall in the same category of taxable service as that of output service, for which invoice/bill is issued on or after sixteenth day of August 2002.

(2) For the purposes of these rules, two services shall be deemed to be falling in the same category of taxable service, if the input service and output service fall in the same sub- clause of clause (90) of section 65 of the Act.

Provided that the taxable services defined in sub-clauses (zm) and (zp) of clause 90 of section 65 of the Act shall be deemed to be falling within the same category.

Illustration: (i) A photography studio in course of providing photography services avails service of processing labs for developing and processing of exposed film and printing of photographs. In this case service provided, by the colour lab to photography studio and by the photography studio to a customer, both fall in the same category of service i.e. photography service. Therefore, photography studio is entitled to take credit of service tax paid by the processing lab.

(ii) A stevedore hires dock labour from the port trust and provides such labour to his client. In this case the service provided, by the port trust to stevedore and by stevedore to client, both fall in the category of port service. Therefore, stevedore is entitled to take credit of service tax paid by the port trust.

(iii) An advertising agency may avail services of a photography studio and/or a sound recording studio and/or a video tape production agency during the course of rendering service to it's client. Service provided by the photography studio or the sound recording studio or the video tape production agency, as the case may be, does not fall in the category of advertising agency service. Therefore, advertising agency is not entitled to take credit of service tax paid by a photography studio or a sound recording studio or a video tape production agency.

(3) No service tax credit shall be allowed on input service received and consumed in relation to rendering of such output service which is exempt from whole of the service tax leviable thereon.

4. Utilisation of service tax credit:- (1) The service tax credit availed on input service may be utilised for payment of service tax on the output service.

(2) Refund of service tax credit availed on input service shall not be allowed under any circumstance.

5. Documents and accounts.- (1) The service tax credit shall be availed on the basis of an invoice or bill or challan issued by the service provider of input service on or after 16th day of August 2002, indicating clearly the serial number of document, date of issue, description and value of the input service, the service tax paid /payable, service tax registration No. and address of input service provider.

(2) The output service provider availing service tax credit shall take reasonable steps to ensure that the input services in respect of which he has availed the service tax credit are the services on which the service tax, as indicated in the documents on the basis of which credit is availed, has been paid.

Explanation: The output service provider availing service tax credit shall be deemed to have taken reasonable steps, if he satisfies himself about the identity and address of the input service provider, issuing the documents on the basis of which the service tax credit is availed and that the details regarding description and value of input service received by him has been furnished correctly in the documents.

(3) The output service provider availing service tax credit shall maintain proper records in which the relevant information regarding the Sl. No. and date of document on which service tax credit is availed, service tax registration No. and name of the input service provider, description and value of input service, service tax credit availed, service tax credit utilized for payment of service tax on output service shall be recorded. The burden of proof regarding the admissibility of service tax credit shall lie upon the person taking such credit.

(4) The output service provider availing service tax credit shall submit to the Superintendent of Central Excise, a return in the form annexed to these rules along with the Form ST-3 as specified in rule 7 of the Service Tax Rules, 1994.

6. Recovery of service tax credit.- Where the service tax credit has been wrongly availed or utilized or service tax has not been paid by the input service provider for any reason, whatsoever, such credit along with interest shall be recoverable from the person availing such service tax credit and the provisions of section 73, 75, 76 and 78 of the Act shall apply *mutatis mutandis* for effecting such recoveries.

FORM

(see sub-rule (4) of rule 5)

Return under rule 5 of the Service Tax Credit Rules 2002

(For the period from _____ to _____)

Input service

Sl No.	Date and no. of document on which credit is availed	Details of input service provider		Details of input service		
		ST regd. No.	Address	Description	Value	Credit taken

Service tax credit

Opening balance	credit taken	credit utilised	closing balance

Place:-

Date :-

Name and signature of the assessee or his authorised representative".

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

G D. LOHANI, Under Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 15/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 543(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम 1994 (1994 का 32) की धारा 93 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 59/98-सेवा कर, तारीख 16.10.98 जो भारत के राजपत्र में सा०का०नि० (अ) द्वारा प्रकाशित की गई थी, में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्:-

उक्त अधिसूचना में, अंत में निम्नलिखित स्पष्टीकरण अंतः स्थापित किया जायेगा, अर्थात्

“ स्पष्टीकरण:- व्यवसाय रथ चार्टर्ड एकाउंटेंट, व्यवसाय रथ लागत लेखापाल या व्यवसाय रथ कंपनी सचिव द्वारा प्रदत्त उन सेवाओं पर इस अधिसूचना में कथित कुछ भी लागू नहीं होगा जो उक्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (90) में परिभाषित किसी और कराधेय सेवा के अंतर्गत आती है ।

उदाहरण:- व्यवसाय रथ चार्टर्ड एकाउंटेंट, व्यवसाय रथ लागत लेखापाल या व्यवसाय रथ कंपनी सचिव द्वारा किसी संगठन के प्रबंध में किसी भी रीति से या जनशक्ति की भर्ती के लिए किसी भी रीति से दी गई सेवाएं क्रमशः संबन्ध परामर्शी सेवा या जनशक्ति भर्ती अभिकरण सेवा के रूप में कराधेय सेवाएं मानी जायेगी । इसलिए इस अधिसूचना के अंतर्गत कोई छूट ऐसे व्यवसाय रथ चार्टर्ड एकाउंटेंट, व्यवसाय रथ लागत लेखापाल या व्यवसाय रथ कंपनी सचिव को उपलब्ध नहीं होगी । ”

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

टिप्पण :- अधिसूचना सं 59/98- सेवा कर तारीख 16 अक्टूबर, 1998 भारत के राजपत्र में सा का नि 624 (अ) तारीख 16 अक्टूबर, 1998 द्वारा प्रकाशित की गई थी ।

NOTIFICATION

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 15/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 543(E).—In exercise of the powers conferred by section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (herein after referred to as the said Act), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of Government of India in the Ministry of Finance (Department of revenue) No. 59/98-ST dated 16.10.1998, namely,-

In the said notification, the following *Explanation* shall be inserted in the end, namely,-

“*Explanation.*-Nothing contained in this notification shall apply to the services provided by a practising chartered accountant, a practising company secretary or a practising cost accountant which may fall in any other taxable services as defined in clause (90) of section 65 of the said Act.

Illustration:-The service provided by a practising chartered accountant, a practising company secretary or a practising cost accountant in connection with the management of any organization in any manner or recruitment of manpower in any manner shall be deemed to be the taxable service provided under the category of management consultant or

manpower recruitment agency, as the case may be. Therefore no exemption under this notification shall be applicable to such practising chartered accountant, a practising company secretary or a practising cost accountant.”

[F. No. B 11/1/2002-TRU]

Note :—

G. D. LOHANI, Under Secy.

Notification No. 59/98- Service Tax, dated the 16th October, 1998 was published in the Gazette of India, vide G.S.R. 624 (E), dated the 16th October, 1998.

आदेश

नई दिल्ली, 1 अगस्त, 2002

सं. 1/2002-सेवा कर

सा.का.नि. 544(अ).—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1994 (1994 का 32), (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 95 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित आदेश पारित करती है, अर्थात्—

1. (1) इन आदेश को सेवा कर (कार्यान्वयन में कठिनाईयों को दूर करना) आदेश 2002 कहा जायेगा।

(2) ये 16 अगस्त, 2002 से प्रवृत्त होगा।

2. उक्त अधिनियम की धारा 65 के खंड (87) के प्रायोजनों के लिए “कृषि उपज” शब्दों का अर्थ ऐसी उपज होगा जो खेती बाड़ी/वृक्षा रोपण से प्राप्त की गई हो तथा जिस पर कोई प्रक्रिया न की हो या खेतीहर ने सिर्फ ऐसी प्रक्रिया की हो, जैसे परिचर्या, काटना, छाटना, जमाना या सुखाना, जो उपज का मूल रूप परिवर्तित न करे किन्तु उसे केवल बेचने योग्य बनाएँ, और इसमें सभी तरह के अनाज, दालें, फल, मेवा, सब्जी, मसाले, नारियल, गन्ना, गुड़, कच्चे धागे जैसे कपास, जूट, फलेक्स इत्यादि, नील, बिना परिष्कृत तंबाकू, पान, तेंदू पत्ता और इस तरह की अन्य उपज, चावल, चाय और कॉफी सम्मिलित हैं परंतु उत्पादित पदार्थ जैसे चीनी, खाद्य तेल, परिष्कृत खाद्य पदार्थ और परिष्कृत तंबाकू सम्मिलित नहीं हैं।

[फा. सं. बी 11/1/2002-टी.आर.यू.]

जी. डी. लोहानी, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 1st August, 2002

No. 1/2002-SERVICE TAX

G.S.R. 544(E).— In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 95 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994), (herein after referred to as the said Act), the Central Government hereby makes the following Order, namely :-

1. (1) This order may be called the Service Tax (Removal of Difficulty) Order, 2002.
- (2) This Order shall come into force on the 16th day of August, 2002.

2. For the purposes of clause (87) of section 65 of the said Act, the expression “agricultural produce” means any produce resulting from cultivation or plantation, on which either no further processing is done or such processing is done by the cultivator like tending, pruning, cutting, harvesting, drying which does not alter its essential characteristics but make it only marketable and includes all cereals, pulses, fruits, nuts and vegetables, spices, copra, sugar cane, jaggery, raw vegetable fibres such as cotton, flax, jute, etc., indigo, unmanufactured tobacco, betel leaves, tendu leaves, rice, coffee and tea but does not include manufactured products such as sugar, edible oils, processed food, processed tobacco.

[F No B 11/1/2002-TRU]

G D LOHANI, Under Secy